Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar. In news In June 2019

प्रतिभा • आईआईटी रूड़की में रोबोट रेस देखी तो इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग के स्टूडेंट्स ने 5 हजार में तैयार किया रेडियो फ्रिक्वेंसी बेस्ड वायरलेस रोबोट

जीजेयू स्टूडेंट्स ने बनाया रोबोट, बॉर्डर और दुर्गम जगहों पर निगरानी में सक्षम

सुभाष चंद्र | हिसार

जीजेयू के स्टूडेंट्स ने ऐसा रोबोट तैयार किया है, जो सुरक्षा इंतजामों को कड़ा करने में मददगार होगा। आईआईटी रूड़की में रोबोट रेस देखी तो जीजेयू के एक स्टूडेंट्स ने रोबोट बनाने की ठानी। स्टूडेंट मिलिट्री बैकग्राउंड से ताल्लुक रखता है। उसने इस रोबोट को सुरक्षा के लिए डिजाइन किया। इस पर सिर्फ पांच हजार खर्च आया। बार्डर पर आतंकी गतिविधियां रोकने को इससे नजर रखने को सुरक्षा एजेंसियां अपने काम में ला सकती हैं।

जीजेयू के बीटेक फाइनल ईयर में इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स नीरज ने रेडियो फ्रिक्वेंसी बेस्ड वायरलेस रोबोट तैयार किया है। उसके दोस्त नवीन, नितिन के साथ विभाग के टीचर प्रोजेक्ट गाइड डॉ. अभिमन्यु, प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर विजयपाल सिंह, विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक केडिया ने प्रोजेक्ट को पूरा करने में उनकी मदद की। महेंद्रगढ़ निवासी नीरज के पिता सूबेदार मेजर मनसुख राम दिल्ली कैंट में तैनात हैं।

अधिक तापमान वाली माइनिंग में जानकारी कलेक्ट करने को लगा सकते हैं रोबोटिक हैंड

रोबोट के बारे में जानकारी देते जीजेयू के स्टूडेंट्स।

जानिए... कैसे काम करता है रोबोट, 360 डिग्री एंगल का कैमरा, एक घंटे में 22 किमी दौड़ता है

नीरज ने बताया कि रोबोट को हम रिमोट के सहारे चला सकते हैं। रिमोट में टोगल बटन लगाए गए हैं। इसमें तीन स्विच हैं। दो स्विच फारवर्ड व बैकवर्ड मूवमेंट के लिए तथा दाएं व बाए जाने के लिए हैं। तीसरा स्विच कैमरे के मूवमेंट के लिए है। इसकी मूवमेंट प्रोग्रामिंग पर बेस्ड है। रिमोट में बटन दबाने पर सिग्नल रिमोट में लगे आरडिन्हो में जाते हैं, आरडिन्हो से सिग्नल रिमोट में लगे ट्रांसमीटर 433 मैगाहर्टज में जाते हैं। रिसीवर में भी 433 मैगाहर्टज का रिसीवर लगा होता है। रिमोट से बटन दबाने पर रोबोट में लगे रिसीवर सिग्नल कैच करते हैं, जिससे रिमोट आगे, पीछे, दाएं, बाएं जा सकता है। इसी तरह कैमरे को भी 360 डिग्री के एंगल में घुमाया जा सकता है। एक घंटे में इसे 22 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। इसकी कैपिसिटी बढ़ाने के लिए अधिक पावर की मोटर लगाई जा सकती है। 433 मैगाहर्टज आरडिन्हो में सी लैंग्वेज की प्रोग्रामिंग की गई है। इस प्रोसेस से रोबोट काम करता है। करंट के लिए आरडिन्हो के साथ लीथियम बैटरी व मॉड्यूल भी लगाए गए हैं।

नो मैन लैंड में घुसने में माहिर है यह रोबोट

इस रोबोट से बार्डर पर दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। इसके साथ-साथ किसी फैक्टरी, कंपनी व माइनिंग में जहां मानव के लिए पहुंचना मुश्किल होता है, वहां भी इससे काम लिया जा सकता है। इसकी बॉडी लोहे बनी है, लेकिन लोहे की जगह कोई अन्य मेटल भी यूज किया जा सकता है। अधिक तापमान वाली माइनिंग के अंदर की इनफोरमेशन कलेक्ट करने के लिए व कुछ उठाने के लिए रोबोटिक हैंड भी लगाया जा सकता है।

रोबोट में यूज हुआ ये सामान

नीरज ने बताया कि उन्होंने रोबोट बनाने के लिए दो आरडिन्हो एक रोबोट में व एक रिमोट में आरएफ ट्रांसमीटर रिसीवर रेडियो फ्रीक्वेंसी 433 मैगाहर्टज, दो मोटर ड्राइवर मॉड्यूल, चार डीसी मोटर, चार टायर, लिथियम बैटरी 10 ईएचपी व पीसी रिमोट यूज किए हैं। पीसी रिमोट का पूरा स्ट्रक्चर खुद डिजाइन किए हैं, स्वयं तैयार किए हैं।

रोबोट की विशेषताएं

1. यह रोबोट एक घंटे में 22 किलोमीटर तक चल सकता है, इसकी गति बढ़ाई भी जा सकती है।
2. 15 से 20 किलोग्राम वजन उठा सकता है। मोटर चेंज करने से लोड बढ़ाया जा सकता है।
3. सिर्फ 9 बाई 8 इंच का होने के कारण दुश्मन की गतिविधियों पर आसानी से नजर रख सकता है।

दैनिक जागरण 3 जून 2019

छात्र अवि का कैंपस प्लेसमेंट में चयन

हिसार (ब्यूरो)। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की तरफ से मुंबई स्थित कोडेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ ऑन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। ड्राइव में विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग विभाग के विद्यार्थी अवि जांगड़ा का चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थी को बधाई दी तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

छात्र अवि जांगड़ा।

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि ऑन-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के बीटेक प्रिंटिंग 2019 बैच के 15 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधक एचआर अनुजा कोठारी द्वारा प्लेसमेंट प्रक्रिया का संचालन किया गया। विश्वविद्यालय के एक विद्यार्थी अवि जांगड़ा का चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्य वीर सिंह ने बताया कि चयनित विद्यार्थी को तीन लाख रुपये का वार्षिक पैकेज दिया जाएगा।

र उजाला -4-6-19

तकनीक 4 एमएम के छेद से रिसकर जाता है पौधे तक पानी, तीन हजार पौधे को इस तरह दिया है जीवन दान

इंटरनेट पर देख मटके से सींच रहे पौधे

जागरण संवाददाता, हिसार : 10 साल पहले की बात हैं। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (गुजवि) में हरियाली की कमी थी। कारण था पौधे लगाने के बाद पानी देना एक बड़ी समस्या रहती थी।

उसी समय विश्वविद्यालय में सुपरवाइजर के पद पर पहुंचे पालाराम ने नई तकनीक ढूंढी। इंटरनेट पर विधि को पढ़ा और आज वह हजारों पौधों को पाल रहे हैं। विधि के तहत पौधा लगाने के साथ उससे एक फीट दूरी पर मटका दबाया जाता है। जमीन में नीचे उससे पानी रिसता जो पौधे तक पहुंचता है। इससे गुजवि प्रशासन अब तक हजारों पौधे बचाकर अपने प्रांगण को हरा भरा बना चुका है।

सरकार की तरफ से 1995 में गुजवि की स्थापना की गई थी। पर्यावरण को बचाने में अपना जीवन लगाने वाले गुरु जंभेश्वर महाराज के नाम से बने इस विश्वविद्यालय में शुरूआत में छांव वाले पेड़ और फूलों वाले पौधे कम थे। धीरे-धीरे डेवलपमेंट हुई और एक हरा भरा विश्वविद्यालय का प्रांगण बना। अब इस प्रांगण को हरा बनाने पर काम चल रहा है। यहां के कर्मचारी फ्रूट, फूल, छायादार वृक्ष के पौधे और अन्य प्रकार के पौधे लगाते है। पौधों को बचाने और पानी देने के लिए वह मटका जमीन में दबाते है और दो से तीन इंच ऊपर रखते है ताकि उसमें पानी डाला जा सके। इस तकनीक से पौधों की सिंचाई में राहत तो मिल ही रही है, पेड़ों तक पानी भी पर्याप्त मात्रा में पहुंच पा रही है।

गुजवि में पौधे के नीचे जड़ के साथ रोपा गया मटका। • जागरण

हर साल लगाते हैं चार हजार पौधे

गुजवि में पौधों के रख रखाव को देख रहे पाला राम ने बताया कि वह हर साल चार हजार छोटे-बड़े पौधे लगाते हैं। इनको बचाने के लिए हर पौधे के पास मटका लगाने का प्रयास होता हैं। इसमें 25 फीसद पौधों को वह नही बचा पाते है। उसमें आंधी-तूफान और दीमक के कारण वह खत्म हो जाते हैं।

मटका में चार से पांच दिन चलता है पानी

पौधों के साथ मटका लगाने की परंपरा शुरू होने के बाद अब उनको एकत्रित करना टारगेट बना। इसको लेकर पालाराम और उनके साथियों ने गांव में मौजूद अपने दोस्तों व माली का काम करने वाले कर्मचारियों को मटके एकत्रित करने के लिए कहा। गांव में घर-घर से मटकों को एकत्रित करने के बाद एक साथ मंगवा लिया था। अभी तक गुजवि में वह तीन हजार मटके लगा चुके है। इन मटकों में एक बार पानी डालने के बाद वह चार से पांच दिन तक पानी चलता है। इसके लिए वह मटकों के नीचे 4 एमएम का एक छेद करते है जिससे पानी धीरे-धीरे रिसता रहता हैं।

दैनिक जागरण - 5/6/19

'ब्रेन बैलेंसिंग व इंटेलिजैंस बिल्डिंग कार्यक्रम' के तीसरे दिन प्रतिभागी बच्चों ने सीखने व याद रखने की विधियां सीखी

पांच को ब्यूज

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के जनसम्पर्क कार्यालय के सौजन्य से विजडम ऑफ माईड संस्था द्वारा चार दिवसीय 'ब्रेन बैलेंसिंग व इंटेलिजैंस बिल्डिंग कार्यक्रम' के तीसरे दिन प्रतिभागी बच्चों ने सीखने व याद रखने की विधियां सीखी। विद्यार्थियों ने कुछ ही मिनटों में 60 से भी अधिक अलग-अलग शब्दों को याद करके सुनाया।

शिविर का संचालन कर रहे विजडम ऑफ माईड संस्था के निदेशक जितेन्द्र कुमार जांगड़ा ने बताया कि इमेजिनेशन तकनीक से दिमाग के उस भाग को जागृत किया जाता है जिससे याददाश्त व जल्दी याद करने की शक्ति बढ़ती है। उन्होंने कहा कि कुछ विषय हमें मुश्किल लगते है। इस तकनीक से मुश्किल लगने वाले विषयों को भी आसानी से समझा व याद किया जा सकता है। शिविर में विद्यार्थियों को विशेष लर्निंग मेडिटेशन भी कराया गया। मेडिटेशन सीखने व याद करने की शक्ति को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि दिमाग को शांत करके बड़ी सफलताएं हासिल की जा सकती हैं।

जितेन्द्र कुमार जांगड़ा ने बताया कि शनिवार को शिविर के अन्तिम दिन बच्चों का हैंड राइटिंग को सुधारने की तकनीक सिखाई जाएगी। इस तकनीक से बच्चों की हैंड राइटिंग में सुधार के साथ-साथ बच्चे लिखने के दौरान थकावट महसूस भी नहीं करेंगे। कार्यक्रम संचालन में प्रमिला जांगड़ा, सुभाष, सुधीर बेरवाल, ममता, कुसुम व अंकित शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

पांच बजे- 7/6/19

गुजवि में 'नो मोर पाकिस्तान' पर सेमिनार का आयोजन

भारत त्रेता युग से विश्व में लहराता रहा परचम : राय

- बोले, हमें तन-मन-धन से राष्ट्र को समर्थन देने की जरूरत

हरिभूमि ब्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। सेमीनार में भाग लेते अधिवक्ता राजेन्द्र सिंह पंघाल व अन्य।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में 'नो मोर पाकिस्तान' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री गोलोक बिहारी राय ने भारत के वैश्विक यात्रा को इतिहास के रघुकुल काल से रेखांकित करते हुए कहा कि पूरे विश्व मे भारत का परचम त्रेता युग से ही लहराता रहा है। भारत देश की आजादी के बाद से ही पाकिस्तान देश पर हमला करता आ रहा है। आतंकवाद फैला रहा है। सन 1948 से पुलवामा तक, सन 1965 कच्छ का रण, संसद भवन, कारगिल 1999, मुंबई, उरी, पुलवामा हर बार पाकिस्तान आतंकी हमले करते हैं।

उन्होंने देश की 130 करोड़ जनता से आह्वान करते हुए कहा कि हमें अपने राष्ट्र की तन-मन-धन से नैतिक समर्थन देने की जरूरत है। गोलोक बिहारी राय ने कहा कि चीन पाकिस्तान को सहयोग कर भारत के अंदर अशांति व असुरक्षा फैलाकर भारत को कमजोर करने का प्रयत्न कर रहा है।

आतंकवाद पाकिस्तान की देन : वत्स

इस सेमिनार के मुख्य अथिति राज्यसभा सांसद जनरल वीपी वत्स ने कहा कि विश्व में आतंकवाद पाकिस्तान की देन है। अलग-अलग देशों में हो रहे आतंकवादी हमलों के पीछे पाकिस्तानी आतंकवादियों का हाथ है। समय रहते पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाने चाहिए। वरना पाकिस्तान को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

इस सेमिनार में विधायक डा. कमल गुप्ता, मंच की उत्तर भारत प्रभारी रेशमा एच सिंह, मेयर गौतम सरदाना व समाजसेवी राजेन्द्र गावड़े ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुजवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कार्यक्रम में राजपाल सिंह, राजेन्द्र सिंह पंघाल, पवन सैनी, नरेन्द्र सिंह, दीपक जैन, संजीव तायल, सुदेश शर्मा, मोहित अरोड़ा, वीरेन्द्र आर्य, जगदीश तोशामिया आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि 07-06-2019

जीजेयू के छात्रों ने बनाया स्मार्ट बस ट्रांसपोर्ट सिस्टम, यात्रियों की संख्या और लोकेशन की देगा जानकारी

बस में भीड़ के कारण रेलवे एग्जाम में छात्र हो गया था लेट, जरूरत महसूस हुई तो तैयार किया यंत्र

सुभाष चंद्र . हिसार

बस कितने समय में आने वाली है और उसमें कितने यात्री हैं। इन सब बातों का स्मार्ट बस ट्रांसपोर्ट सर्विस सिस्टम के जरिए पता लगाया जा सकता है। जीजेयू के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के स्टूडेंट्स ने सिर्फ एक हजार रुपये की कीमत में ऐसा सिस्टम तैयार किया है। इस प्रोजेक्ट में बस के दोनों दरवाजों पर लेजर सेंसर लगा इन्हें मोबाइल एप से जोड़ा गया है। यह सेंसर बस में आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या को काउंट करेंगे और बस में भीड़ का पता लगाया जा सकेगा, वहीं मोबाइल एप पर बस की लोकेशन भी देखी जा सकेगी। इससे टाइम की तो बचती होगी ही, साथ ही लड़कियां भी बसों में भीड़ में यात्रा करने से बच सकेंगी। बसों के इंतजार में अधिक देर खड़ा होने की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

करीब दो साल पहले जीजेयू के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग का मनीष रेलवे का एग्जाम देने दिल्ली गया था। बस आई तो अधिक भीड़ के कारण सवार नहीं हो सका, जिससे एग्जाम में लेट हो गया। उसी समय आइडिया आया कि कुछ ऐसा सिस्टम हो, जिससे बस का पता लगाया जा सके कि उसमें कितनी भीड़ है। इसी आइडिया पर 6 महीने पहले एक प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया और स्मार्ट बस ट्रांसपोर्ट सर्विस सिस्टम बनाने में सफलता हासिल की। प्राजेक्ट में राकेश व अमित जैन ने भी उसका साथ दिया। प्रोजेक्ट गाइड प्रो. विजयपाल सिंह रहे, डिपार्टमेंट के सभी स्टूडेंट्स व डिपार्टमेंट हेड प्रो. दीपक केडिया के सहयोग से यह प्रोजेक्ट पूरा किया गया। जापान व चाइना में इस तरह की टेक्नीक यूज हो रही है, लेकिन उसमें करीब 30 हजार का खर्च आता है। वहीं अपने यहां यह पहला सस्ता ऐसा प्रोजेक्ट है।

जानिए... कैसे काम करेगा स्मार्ट बस ट्रांसपोर्ट सर्विस सिस्टम

ये लगाए पार्ट्स : दो लेजर सेंसर्स • आरडिनो माइक्रो कंट्रोलर • ब्लूटुथ मॉडयूल • मोबाइल एप • स्मार्ट मोबाइल इन बस।

स्मार्ट बस ट्रांसपोर्ट सर्विस सिस्टम में बसों के दरवाजे के उपर व नीचे की ओर लेजर सेंसर लगाए जाते हैं। लेजर सेंसर बस में अंदर जाने वाले व बाहर निकलने वाले एक-एक यात्री को स्कैन करके काउंट करते हैं। अंदर जाते हुए यात्री को सेंसर प्लस में काउंट करेगा, वहीं बाहर निकलते हुए यात्री को माइनस में काउंट करेगा। सेंसर को बस में मौजूद स्मार्टफोन से कनेक्ट किया है। सेंसर इस डेटा को स्मार्टफोन पर भेजता है। यह फोन मोबाइल एप से जुड़ा है, जो सारा डेटा मोबाइल एप पर भेजता है, साथ ही बस की लोकेशन भी स्मार्टफोन जीपीएस के जरिए पता लगाकर, मोबाइल एप पर भेजी जाएगी। इससे बस की लोकेशन को भी घर बैठे भी देखा जा सकता है।

इस सिस्टम के लगाने से ये होंगे लाभ

• विभिन्न रूटों पर कितनी बसों की जरूरत है और कितनी बसें लगाने की जरूरत है। इनके लिए इसे यूज किया जा सकेगा। • पब्लिक प्लेस पर लड़कियों को बसों को लेकर अधिक समय इंतजार नहीं करना पड़ेगा। • बसों को ओवरलोडिंग होने से रोका जा सकता है। • एक रूट पर कितने यात्री आते-जाते हैं और कितनी बसें लगा सकते हैं, इनका पता लगाया जा सकता है। • मोबाइल एप के माध्यम से कोई भी यात्री बस की लोकेशन देख सकता है और उसमें कितनी यात्री है, इस बात का पता लगाया जा सकता है। • इस सिस्टम का एक कंट्रोल रूम बनाया जा सकता है, जिससे बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर काबू पाया जा सकता है। • त्योहार व अन्य मौकों पर बसों की अतिरिक्त संख्या के बारे में जाना जा सकता है। • बसों के साथ, रेलगाड़ी, हाउस, संस्थानों सहित भीड़ भरी जगहों पर इस टेक्नीक का इस्तेमाल किया जा सकता है और आने-जाने वाले लोगों की संख्या का पता लगाया जा सकता है।

दैनिक भास्कर - 8/6/19

विभाग की ओर से सफल साक्षात्कार के लिए कार्यशाला का होगा आयोजन

असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए गुजवि के 80 से अधिक शोधार्थियों ने पाई सफलता

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) द्वारा वाणिज्य के सहायक प्राध्यापक पद के लिए आयोजित की गई। लिखित परीक्षा में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के 80 से अधिक शोधार्थियों ने सफलता हासिल की है। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के निदेशक प्रो. एनएस मलिक ने बताया कि इन शोधार्थियों की मेहनत व लगनशीलता को देखते हुए विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

इस कार्यशाला में सफल साक्षात्कार करने के सिद्धांत, तौर-तरीके व वैज्ञानिक विधियां विद्यार्थियों के साथ साझा की जाएगी। ताकि अधिक से अधिक संख्या में लिखित परीक्षा में सफल शोधार्थियों का अंतिम चयन सूची में सुनिश्चित हो सके। इस विशेष कार्यशाला का आयोजन 10 जून से 15 जून के बीच में हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस में आयोजित किया जाएगा। जिसमें विभाग के वरिष्ठ शिक्षकों के ज्ञान और अनुभव का लाभ इन लिखित परीक्षा में सफल उम्मीदवारों तक कार्यशाला के माध्यम से पहुंचाया जाएगा। वर्ष हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित इस भर्ती प्रक्रिया में 40 से अधिक विद्यार्थियों व शोधार्थियों का वाणिज्य विषय के सहायक प्राध्यापक के रूप में चयन किया गया था। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के शोधार्थियों द्वारा इस प्रशंसनीय प्रदर्शन व विभाग के शिक्षकों द्वारा साक्षात्कार के लिए कार्यशाला का आयोजन करने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शोधार्थियों व शिक्षकों को बधाई दी है और नजदीक भविष्य में होने वाले साक्षात्कार के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

साहित्यिक शोध में शोध की परिकल्पना जरूरी

जागरण संवाददता, हिसार : जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के पूर्व प्रो. रामबक्ष जाट ने कहा कि साहित्यिक शोध में शोध की परिकल्पना महत्वपूर्ण है। शोध की परिकल्पना व प्रश्न मौलिक होने चाहिए।

प्रो. रामबक्ष जाट गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र में चल रहे रिफ्रेशर कोर्स में विशेष व्याख्यान दिया। इस अवसर पर कोर्स समन्वयक प्रो. किशन राम बिश्नोई व प्रो. वन्दना पूनिया भी मौजूद रहे। प्रो. रामबक्ष जाट ने 'साहित्यिक शोध का स्वरूप' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि शोधार्थी की जैसी परिकल्पना होगी, शोध वैसा ही होगा। शोधार्थी को संबंधित विषय पर आज तक होने वाले शोधों की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि साहित्यिक शोध व शोधार्थी को साहित्य की जानकारी होना भी अति आवश्यक है। साहित्य साहित्यकार की आत्म-अभिव्यक्ति होती है। शोधार्थी शोध के दौरान उसमें अपना साक्ष्य प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि साहित्यिक शोध हर युग की आवश्यकता रही है। उन्होंने शोधार्थियों को शोध की गुणवत्ता बढ़ाने बारे भी विशेष टिप्स दिए। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

गुजवि में रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों के साथ प्रो . रामबक्ष जाट, प्रो . किशनाराम बिश्नोई व प्रो . वंदना पूनिया। • जागरण

दैनिक जागरण - 8/6/19

जीजेयू के प्रो. नरसी राम बिश्नोई की रिसर्च बनी फेवरेट और 3772 लोगों ने किया कोट

210 शोधपत्रों से सबसे अधिक एच इंडेक्स के साथ जीता बेस्ट साइंटिस्ट अवॉर्ड - 2019

सुभाष चंद्र | हिसार

प्रो. नरसी राम।

जीजेयू में इनवायरमेंटल एंड साइंस विषय में प्रो. नरसी राम बिश्नोई की रिसर्च के मेटर को 3772 वैज्ञानिकों ने अपनी रिसर्च में यूज किया है। उनकी इन क्वालिटी रिसर्च के लिए उन्होंने जीजेयू के प्रोफेसर्स में सबसे अधिक एच इंडेक्स हासिल किया है। उनके 210 शोधपत्रों को दुनिया के बेस्ट जर्नल्स एमराल्ड, साइंस एल्सवेयर, साइंस डायरेक्ट, टेलर एंड फ्रांसिस, विले, स्प्रिंगर ने प्रकाशित किया।

इसके चलते उन्हें इंडियन एकेडमी ऑफ इनवायरमेंटल साइंसेज, हरिद्वार की ओर से प्रो. एसए सलगरे अवॉर्ड से नवाजा गया है। 29 सालों के कैरिअर में इनवायरमेंट से जुड़ी ओवरऑल परफॉरमेंस के लिए उन्हें यह अवॉर्ड मिला है।

प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने हाईएस्ट इंडेक्स हासिल किया

प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने यूनिवर्सिटी के सभी टीचर्स के मुकाबले हाईएस्ट एच इंडेक्स हासिल किया है। सिरसा से संबंधित प्रो. नरसी राम ने जीजेयू में रीडर के पद पर ज्वॉइन किया था। उनके पिता राजाराम खेती करते हैं। खेती में उपजाऊ शक्ति बढ़ाने का लक्ष्य ले वो फील्ड में उतरे। उन्होंने एचएयू से प्लांट फिजियोलॉजी में पीएचडी की। उनकी पत्नी वंदना गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में अंग्रेजी की प्रोफेसर हैं।

इंडेक्स रेट

• कुल पब्लिकेशन	210
• गुगल साइटेशन (लोगों ने कोट किया)	3772
• स्कॉपस इंडेक्स	25
• स्कॉपस साइटेशन	2223
• गुगल एच इंडेक्स	32
• आई-10 इंडेक्स	60

वायु प्रदूषण और एथेनॉल से डीजल बनाने पर किया था रिसर्च

प्रो. नरसी ने इनवायरमेंट की मुख्य समस्या वायु प्रदूषण रोकने के लिए एथेनॉल बनाने पर रिसर्च की है। इंडस्ट्रीज में काम आने वाले पदार्थ जो वायु प्रदूषण बढ़ाते हैं ऐसे पदार्थों से एथेनॉल बनाया है। एथेनॉल को पेट्रोल के साथ मिक्स किया है। एयर पॉल्यूशन नहीं होगा और उपजाऊ शक्ति भी बढ़ती है। उन्होंने समुद्र, झील व तालाब में पाई जाने वाली काई से बॉयोडीजल बनाने पर रिसर्च की है। इसमें उन्हें सफलता मिली है। आने वाले समय में जो डीजल बनाया जाएगा। वह काई से बनेगा। प्रो. नरसी ने बताया कि काई में फैटी एसिड होता है जिसमें लिपिड कंटेंट 65 प्रतिशत तक होता है, इससे बॉयोडीजल बनाया जा सकता है। वहीं उन्होंने बायो रेमेडिएशन पर की गई रिसर्च में पानी को स्वच्छ करने पर रिसर्च की है। इसमें इंडस्ट्री से जुड़े वेस्ट हैवी मेटल्स से पानी पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को रोकने पर रिसर्च की है।

जीजेयू के 18 छात्रों को मिला लाखों रूपए का पैकेज

हिसार, 11 जून (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सौजन्य से दिल्ली स्थित आईसीआईसीआई बैंक के साथ ऑन कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव का आयोजन किया गया। ड्राइव में विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के 18 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि ऑन-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के 38 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कम्पनी के रीजनल मेनेजर अंशुमन जाँगिड़ ने प्लेसमैंट प्रक्रिया का संचालन किया गया। कंपनी के अधिकारी द्वारा प्लेसमैंट प्रक्रिया में प्रि-प्लेसमैंट टॉक दी गई तथा विद्यार्थियों का व्यक्तिगत साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार के आधार पर कंपनी ने विश्वविद्यालय के 18 विद्यार्थियों का चयन किया है। प्लेसमैंट निदेशक ने हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के अधिष्ठाता एवं निदेशक प्रो. एन.एस. मलिक का विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए धन्यवाद किया है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया चयनित विद्यार्थियों में अंशुल, आरती, प्रीतम, किरण, भारती, नेहा, मोनिका, अनुप्रिया, पारूल, विकास, आरजू, अंजु, आंचल, अस्मिता, शीतल, शिवम, भुमिका व मनीषा शामिल हैं। विद्यार्थियों का चयन आईसीआईसीआई बैंक की विभिन्न शाखाओं के लिए सहायक प्रबंधक के पद पर किया गया है। चयनित विद्यार्थियों को 3.26 लाख रूपये वार्षिक पैकेज दिया जाएगा।

मालिक मक्ष - 11-6-2019

अविष्कार • इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन विभाग के स्टूडेंट्स ने सिर्फ 600 रुपए में तैयार किया आईमेड्स यंत्र

मम्मी-पापा भूल जाते थे शुगर की दवाई लेना, जीजेयू स्टूडेंट ने टीम के साथ मिलकर बनाया यंत्र, वक्त पर दिलाता है दवा की याद

• मोबाइल पर भेजेगा डॉन्ट फॉरगेट टू टेक योर मेडिसिन का मैसेज

सुभाष चंद्र | हिसार

सेहत तंदुरुस्त रहे, यही कामना करते हैं। मगर भागदौड़ भरी जिंदगी में बीमार पड़ने पर कई बार दवा लेना भी भूल जाते होंगे। ऐसे में दवा न छूटे, ताकि सेहत जल्द ठीक हो सके इसके लिए जीजेयू के स्टूडेंट्स ने आईमेड्स नाम से एक यंत्र तैयार किया है, जो समय पर दवा की याद दिलाएगा।

दरअसल, जीजेयू के स्टूडेंट सनमीत के मम्मी व पापा दोनों को डायबिटीज की शिकायत है, वो काफी बार दवाइयां लेना भूल जाते थे, जिससे बाद में उन्हें परेशानी उठानी पड़ती थी। सनमीत बताते हैं कि इस समस्या को दूर करने के लिए ही उन्हें आइडिया आया कि कुछ ऐसा हो कि अपने आप दवाई याद आ जाए या दवाई के लिए कोई अलर्ट कर दें। इसी बात को ध्यान में रखते हुए यह प्रोजेक्ट तैयार किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन विभाग के स्टूडेंट्स सनमीत सिंह, निहिल कुमार व आयुष सिंह ने आईमेड्स नाम से यंत्र तैयार कर मोबाइल और लैपटॉप से कनेक्ट किया है। यंत्र के साथ एक प्रोटोटाइप एप बनाई गई है, जिसके जरिए मोबाइल पर मैसेज भेजे जाएंगे। यह यंत्र आपको दिन में तीन टाइम मोबाइल पर मैसेज भेजेगा, जिसमें लिखा होगा डॉन्ट फॉरगेट टू टेक योर मेडिसिन टू बी हेल्दी। मैसेज भेजने के साथ-साथ यह यंत्र बजर भी बजाएगा, जो आपको दवा की याद दिलाएगा। जीजेयू के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन विभाग के प्रो. दीपक केडिया ने टीम को गाइड किया तो प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर विजयपाल सिंह ने सहयोग किया। जीजेयू के स्टूडेंट्स ने यह यंत्र सिर्फ 600 रुपये की कीमत में तैयार किया है। यंत्र बनाने वाले स्टूडेंट्स ने बताया कि इस यंत्र में स्टैपर मोटर यूज की गई है जो बॉक्स को घुमाने के लिए लगाई गई है। एक मोटर ड्राइवर लगाया गया है। साथ ही एक आरपीसी मोड्यूल वायर व यंत्र को आरडिनोआईडीई प्रोग्रामिंग लैंग्वेज के आधार पर तैयार किया गया है।

जीजेयू के वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि स्टूडेंट्स ने बहुत अच्छा प्रोजेक्ट बनाया है, स्टूडेंट्स के रिसर्च वर्क के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट को स्टार्टअप तक ले जाएंगे। इस कार्य में फाइनेंशियल हेल्प की जाएगी।

सुबह की टाइमिंग में एक बार और दोपहर में 2 बार बजेगा

आईमेड्स यंत्र

इन छात्रों ने बनाया है यंत्र।

आईमेड्स इंस्ट्रूमेंट को लैपटॉप या मोबाइल से कनेक्ट किया है। इसे यूज करने के लिए सबसे पहले मोबाइल से दवा लेने की टाइमिंग सेट की जाती है। टाइमिंग सेट करने पर यह जानकारी सर्वर पर जाएगी। जहां से मोबाइल पर अलर्ट मैसेज जारी होगा। साथ में ही बजर भी बजेगा। बजर की फ्रीक्वेंसी ऐसे सेट की गई है कि सुबह की टाइमिंग में एक बार बजेगा और दोपहर में दो बार तथा रात के समय तीन बार बजर दबेगा। इस यंत्र को दो पार्ट में तैयार किया गया है, जिसे आपस में कनेक्ट किया गया है। दवा वाले बॉक्स में मॉर्निंग, इवनिंग व दोपहर के समय की दवा रखी जा सकती है। इस बॉक्स में सप्ताह भर की टेबलेट स्टोर की जा सकती है। सेट की गई टाइमिंग के अनुसार एक-एक टेबलेट बॉक्स से अपने आप बाहर निकालेगा।

दैनिक भास्कर- 13/6/19

मिशन-एडमिशन • कॉलेजों में दाखिले के लिए 28 जून तक कर सकते हैं आवेदन, गवर्नमेंट कॉलेज बना पहली पसंद

जीजेयू के अंडर डिग्री कॉलेजों में पीजी ऑनर्स कोर्सेस में दाखिला लेने पर मिलेगी 10 प्रतिशत अंक की वैटेज

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू ने अपने अंडर कॉलेजों में पीजी कोर्सेस में दाखिला लेने पर ऑनर्स से ग्रेजुएशन करने वाले स्टूडेंट्स को राहत दी है। ऑनर्स में पीजी कोर्स में दाखिला लेने वाले स्टूडेंट्स को अब 10 प्रतिशत अंकों की वैटेज दी जाएगी। ऐसा करने वाली जीजेयू प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी है। जिससे ऑनर्स विषयों में ग्रेजुएशन करने वाले स्टूडेंट्स मैरिट लिस्ट में शामिल हो सकेंगे। ग्रेजुएशन में अंग्रेजी, हिंदी, जियोग्राफी सहित अन्य विषयों में ग्रेजुएशन करने वाले स्टूडेंट्स इस नियम का लाभ उठा सकेंगे। उदाहरण के लिए ग्रेजुएशन में अंग्रेजी ऑनर्स कोर्स में यदि किसी स्टूडेंट्स ने 900 अंक हासिल किए हैं तो कुल अंकों के 10 प्रतिशत अंक के हिसाब से 90 अंक का अतिरिक्त वैटेज मिल सकेगा। ऑनर्स के सभी कोर्सेस के लिए 10 प्रतिशत अंकों की वैटेज दी जाएगी। जिले में जीजेयू के अंडर करीब 26 डिग्री कॉलेज हैं, जिनके स्टूडेंट्स इस नियम का लाभ ले पाएंगे।

इन कोर्सेस में सुविधा

ग्रेजुएशन में ऑनर्स कोर्सेस में 45 प्रतिशत अंक के साथ दाखिला लिया जा सकता है, इन कोर्सेस में 10 प्रतिशत वैटेज दी जाएगी।

- एमए अंग्रेजी
- एमए हिंदी
- एमएससी ऑनर्स

गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में 1625 आवेदन

जिले के डिग्री कॉलेजों में विभिन्न कोर्सेस में दाखिले के लिए आवेदन जारी है। गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में सोमवार को बीए, बीकॉम, बीएससी सहित अन्य कोर्सेस में अभी तक 1625 आवेदन आ चुके हैं। वहीं अन्य कॉलेजों में जाट कॉलेज, डीएन कॉलेज में करीब एक हजार आवेदन आ चुके हैं। एफसी कॉलेज व गवर्नमेंट वुमन कॉलेज, इम्पीरियल कॉलेजों में भी दाखिले के लिए आवेदन किए जा रहे हैं।

"पीजी ऑनर्स कोर्सेस में स्टूडेंट्स को दाखिला देने के लिए वैटेज दी है। इससे ऑनर्स कोर्सेस में अंग्रेजी हिंदी सहित अन्य कोर्सेस के स्टूडेंट्स लाभ उठा सकेंगे। ऑनर्स कोर्सेस में दाखिला लेने वाले स्टूडेंट्स को दाखिला लेने में आसानी होगी।''
प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू

जीजेयू ने ग्रेजुएशन कोर्सेस के लिए सब्जेक्ट कोंबिनेशन के पांच ग्रुप बनाए

ग्रुप वन • डिफेंस स्टडीज, हिंदी, संस्कृत, उर्दू, पंजाबी, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर एप्लीकेशन, साइकोलॉजी।

ग्रुप टू • मैथमेटिक्स, पब्लिक एड, सोशियोलॉजी, सोशल वर्क, म्यूजिक, हेल्थ एंड फिजिकल एजुकेशन।

ग्रुप तीन • पॉलिटिकल साइंस स्टेटिस्टिक्स, फाइन आर्ट्स, ह्यूमन राइट्स।

ग्रुप चार • जियोग्राफी, होम साइंस, फिलोसफी, मार्केटिंग।

ग्रुप फाइव • ऑफिस मैनेजमेंट, डिजाइनिंग एंड पेंटिंग, फ्रूट प्रीजरवेशन, अप्लाइड न्यूट्रीशन, बेकरी, टेलरिंग, मास कम्युनिकेशन एंड वीडियो प्रोडक्शन, फैशन डिजाइनिंग एग्रो सर्विस, टूरिज्म एंड ट्रेवल मैनेजमेंट फंक्शनल इंग्लिश आदि।

दैनिक भास्कर- 13/6/19

प्लेसमेंट ड्राइव में गुजवि के 240 छात्रों को मिली नौकरी

स्टूडेंट कार्नर

• कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने विद्यार्थियों को दी बधाई दी

• 48 संस्थानों के साथ प्लेसमेंट ड्राइव का किया गया आयोजन

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से शैक्षणिक सत्र 2018-19 में समय-समय पर आयोजित की गई प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के 240 से अधिक विद्यार्थियों का विभिन्न संस्थानों में चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्लेसमेंट सेल के अधिकारियों व सभी विभागाध्यक्षों को बधाई दी।

कुलपति ने सभी विभागाध्यक्षों से विद्यार्थियों को प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कहा है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि इस सत्र में विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विद्यार्थी विभिन्न संस्थानों में चयनित हुए हैं। सर्वाधिक विद्यार्थी कंप्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग से हैं, जिनकी संख्या 74 है और हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस से 66 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्य वीर सिंह ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2018-19 के लिए 10 से अधिक प्लेसमेंट ड्राइवों का आयोजन किया जाना अभी बाकी है। अधिकतम पैकेज 4.3 लाख का सैमसंग कंपनी की ओर से ऑफर किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा इनफोसिस, विप्रो, टीसीएस, सैमसंग, जी मीडिया, जिंदल स्टील्स एंड पॉवर लिमिटेड, आइसीआइसीआइ बैंक, एक्सिस बैंक, आदि 48 संस्थानों के साथ प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया।

दैनिक जागरण- 11-6-2019

गुजवि के 3 विद्यार्थियों का चयन, 2.8 लाख का मिला पैकेज

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की तरफ से गुरुग्राम स्थित डेसीमल टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के साथ ऑफ कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। ड्राइव में विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के तीन विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि ऑफ-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

कंपनी के गुरूग्राम स्थित कार्यालय में हुआ। जिसमें विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के आठ विद्यार्थियों ने विभाग के शिक्षक देवेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में भाग लिया।

कंपनी की सीनियर एचआर मैनेजर श्वेता धर ने प्लेसमेंट प्रक्रिया का संचालन किया। प्री-प्लेसमेंट टॉक के बाद विद्यार्थियों का एप्टीट्यूड टेस्ट, तकनीकी साक्षात्कार और एचआर साक्षात्कार लिया गया। इस आधार पर कंपनी ने विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का चयन किया है। प्लेसमेंट निदेशक ने कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. ऋषिपाल सिंह का विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए धन्यवाद किया है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया चयनित विद्यार्थियों में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के बीटेक अंतिम वर्ष के तुषार, तरूण व दीपक शामिल हैं। चयनित विद्यार्थियों को 2.8 लाख रुपये वार्षिक पैकेज दिया जाएगा।

दैनिक जागरण - 15/6/19

जीजेयू के प्रिंटिंग विभाग के स्टूडेंट्स को 40 लाख की प्रिंटेबिलिटी टेस्टर मशीन मिलेगी

इस समय देश के किसी भी इंस्टीट्यूट में उपलब्ध नहीं है यह मशीन

सुभाष चंद्र | हिसार

जीजेयू के प्रिंटिंग डिपार्टमेंट के स्टूडेंट्स प्रिंटिंग की नई तकनीक व उच्च क्वालिटी से वाकिफ हो सकेंगे। प्रिंटिंग डिपार्टमेंट में जल्द ही क्वालिटी प्रिंटिंग के लिए नई मशीनें उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रिंटेबिलिटी टेस्टर नाम की यह मशीन करीब 40 लाख रुपये की कीमत की होगी। खास बात यह है कि यह मशीन देश की किसी भी इंस्टीट्यूट में उपलब्ध नहीं है। यह मशीन किसी भी तरह के प्रिंट की क्वालिटी को टेस्ट कर सकती है। इससे इंक की पहचान, प्रिंट किस क्वालिटी का है, उसमें कितना इंप्रूवमेंट किया जा सकता है आदि कार्य इस मशीन से किए जा सकते है। यह मशीन वर्ल्ड बैंक की ओर से डिपार्टमेंट को उपलब्ध करवाई जाएगी। वर्ल्ड बैंक के कॉर्डिनेटर डा. अमरीश पांडे व दीनबंधू यूनिवर्सिटी मुरथल के वाइस चांसलर प्रो. राजेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में यह मशीन उपलब्ध करवाई जाएगी। मशीन के जरिए लिक्विडिंग, क्वालिटी कंट्रोल के कार्य किए जा सकेंगे।

डिपार्टमेंट में इन मशीनों की मिल रही सुविधा

- प्रिंटिंग डिपार्टमेंट में इससे पहले सीटीपी मशीन सहित अन्य उच्च गुणवत्ता की मशीनें उपलब्ध है।
- पिछले साल प्रोसेस स्टार्ट किया था। उच्च गुणवत्ता की मशीनें मंगवाई है। सीटीपी मशीन ली है जो सिर्फ 50 लाख की मशीन है। इसमें भी अनायत, पांडे, प्रो. पंकज का अहम योगदान अहम रहा है।
- फोरकल वेबसेट ऑफसैट परफैक्टिंग मशीन - इस मशीन में मैग्जीन, पत्रिका, अखबार प्रिंट होते है। प्रकाश ऑफसेट की मशीन है प्रकाश ऑफसेट में प्रिंटिंग विभाग के पूर्व स्टूडेंट राजेंद्र सिंगला भी वाइस प्रेजीडेंट है। जिन्होंने विभाग के स्टूडेंट्स का कैंपस इंटरव्यू भी आयोजित किया।
- ग्रेवियर प्रिंटिंग मशीन - यह एक उच्चस्तरीय प्रिंटिंग मशीन है। इसे फाइन क्वालिटी जैसे स्पेशल कैटालोग, करंसी प्रिंटिंग आदि ऐसी प्रिंटिंग कार्यों में यूज किया जाता है, जिसमें गलती की गुंजाइश न के बराबर हो। ये सभी मशीनें वर्ल्ड बैंक की ओर से उपलब्ध करवाई गई है। जिन्हें कमर्शियल यूज की बजाय सिर्फ स्टूडेंट्स के लिए ही प्रयोग किया जाता है।

मशीन के लिए डिमांड भेजी जा चुकी है। यह मशीन इसी सेमेस्टर में स्टूडेंट्स के लिए उपलब्ध होने की उम्मीद है। विभाग के शिक्षकों ने भी इस मशीन के लिए प्रयास किए, जिसके चलते यह जल्द ही स्टूडेंट्स के लिए उपलब्ध होगी। जीजेयू का प्रिंटिंग विभाग में देश सहित विदेशी स्टूडेंट्स भी दाखिले में रूचि दिखा रहे है।'' - प्रो. अरोहित गोयल, अध्यक्ष, प्रिंटिंग विभाग, जीजेयू।

दैनिक भास्कर - 16-6-2019

कोल्ड स्टोरेज मॉनिटरिंग सिस्टम • जीजेयू के इलेक्ट्रिक विभाग के स्टूडेंट्स ट्विंकल और दीपक डांगी ने 5 हजार में तैयार किया यंत्र

फ्रिज में चूहे-सांप के घुसने का मोबाइल से लगा सकेंगे पता, टेंपरेचर मेंटेन कर फल-सब्जियों को अधिक समय तक रख सकेंगे सुरक्षित

सुभाष चंद्र | हिसार

जीजेयू के इलेक्ट्रॉनिक विभाग के फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स ट्विंकल और दीपक डांगी ने कोल्ड स्टोरेज मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किया है। आप फ्रिज में चूहे, सांप या कोई अन्य जानवर घुसता है तो इसका पता फोन से लगा सकते हैं। यही नहीं आग व शॉर्ट सर्किट का भी पता लगाया जा सकता है और फ्रिज के अंदर के टेंपरेचर को कंट्रोल करके फल सब्जियों का खराब होने से भी बचा सकते हैं। इसे सिर्फ 5 हजार रुपए की लागत से तैयार किया गया है। इस प्रोजेक्ट से कोल्ड स्टोरेज सिस्टम की मॉनिटरिंग थिंगरडॉटआईओ

एप के जरिए कंट्रोल कर सकते हैं। सिस्टम के प्रोजेक्ट को बनाने में करीब चार महीने लगे। इसका अधिकतर सामान दिल्ली से मंगवाया गया। अलग-अलग चीजों के लिए टेंपरेचर को प्रोग्रामिंग के जरिए सेट किया गया है। प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर विजयपाल व विभागाध्यक्ष दीपक केडिया ने भी प्रोजेक्ट बनाने में स्टूडेंट्स का सहयोग किया है।

जानिए... किस मॉड्यूल पर काम करता है सिस्टम

इस सिस्टम में आरड्यूनो मॉड्यूल एक माइक्रो कंट्रोलर है। यह सेंसर मॉड्यूल से इनपुट लेता है, जो भी डाटा एकत्रित करता है उसे प्रोजेक्ट पर लगी एलसीडी पर दिखाता है। इसमें किसी कोल्ड स्टोरेज सिस्टम के टेंपरेचर समेत मूवमेंट का डाटा एलसीडी पर दिखेगा। साथ में आपके फोन की एप में दिखने के साथ डाटा अपडेट होता रहेगा। ऑटोमेटिक मोड के जरिए एग्जोस्टिक फैन ऑन हो जाएगा। मेनुअल मोड के जरिए टेंपरेचर सेट कर सकते हैं। पीआईआर सेंसर फ्रिज कोल्ड स्टोरेज सिस्टम के अंदर की हलचल को डिटेक्ट कर सकते हैं। हलचल होने पर अलार्म बज जाएगा। इससे पता लग जाएगा की फ्रिज के अंदर रखी चीज सुरक्षित है या नहीं।

फ्रिज के अंदर बदल सकते हैं टेंपरेचर : हम फल, सब्जियों, डेयरी प्रोडक्ट को अधिक समय तक सुरक्षित रख सकते हैं। इसके जरिए फ्रिज के अंदर का टेंपरेचर कम या ज्यादा करके चीजों को खराब होने से बचा सकते हैं। फल-सब्जियों को सड़ने से बचा सकते हैं। वहीं, फलों में किसी सड़े हुए फल का पता लगा सकते हैं।

प्रोजेक्ट में इनका किया इस्तेमाल

- **आईआर सेंसर:** फायर सेंसर है, शॉर्ट सर्किट या आग को डिटेक्ट कर सकता है।
- **पीआईआर सेंसर:** चूहे-सांप को पकड़ लेता है।
- **एलडीआर:** यह सेंसर में लगी लाइट को कंट्रोल करता है।
- **2 गैस सेंसर:** एम-क्यू 135, एम क्यू 04 - कोई चीज सड़ रही है उसकी बदबू को भी डिटेक्ट कर सकते हैं। कोई गैस एक्सट्रा है तो उसे हटा भी सकती है, एग्जास्ट ऑन करके।
- **आइओटी:** यह एक टेक्नोलॉजी है, जिससे प्रोजेक्ट को दूर से कंट्रोल कर सकते हैं।
- **वीएचटी इलेवन:** यह टेंपरेचर आर्द्रता को माप सकता है।

दैनिक भास्कर - 18/6/19

सीवरेज के ट्रीटमेंट किए हुए पानी से जीजेयू हॉस्टल के बाथरूम में होगी फ्लशिंग

संदीप बिश्नोई • हिसार

गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी को हरा-भरा रखने में सीवरेज के पानी का इस्तेमाल किया जाता है। विश्वविद्यालय में करीब पांच वर्ष पहले स्थापित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से पानी को साफ किया जाता है। फिर यही पानी 300 एकड़ में फैले विश्वविद्यालय के लॉन और पौधों में प्रयोग होता है। खास बात यह है कि पहली बार सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से साफ किए गए पानी से बाथरूम में फ्लशिंग होगी। हॉस्टल नंबर चार के 80 कमरों के नए बन रहे ब्लॉक के बाथरूम में इसके लिए विशेष लाइनें बिछाई जाएंगी। ऐसा करके पर्यावरण के साथ-साथ यह विश्वविद्यालय पानी की बचत करने के मामले में भी मिसाल बन रहा है।

इन दो तरीकों से ही नहीं, बल्कि कई अन्य तरीकों से भी यह विश्वविद्यालय पानी बचाने का काम कर रहा है। यही नहीं बारिश के दिनों में बारिश के पानी से भी ये मटके भर जाते हैं। जिसका प्रयोग पौधों के सिंचाई किया जाता है। इन विधियों के प्रयोग का उद्देश्य केवल जल संरक्षण करना है।

मटका विधि से सीधा पौधों की जड़ों में पानी : कार्यकारी अभियंता सुनील ग्रोवर ने बताया कि पौधों को पानी देने के लिए अधिक पानी खराब न हो। इसके लिए पौधों की जड़ों के पास मटके लगाए गए हैं। इन मटकों के नीचे पौधे की जड़ की तरफ छोटा सुराख किया हुआ है। जिससे धीरे-धीरे पानी पौधों की जड़ों की तरफ रिसता रहता है और पौधों को नमी मिलती है। इससे पौधों में सीधे पानी लगाने से पानी की अधिक खपत नहीं होती और रोज-रोज पानी नहीं देना पड़ता। निश्चित अंतराल के बाद इन मटकों में फिर से पानी भर दिया जाता है।

सुर्खियां

- गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय पर्यावरण के साथ दे रहा पानी बचाने की सीख
- सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के अलावा मटका विधि

खाली जगह में लगाया बाग, ड्रिप इरिगेशन से होगी सिंचाई विश्वविद्यालय में पिछले वर्ष ही खाली पड़ी 10 एकड़ जगह से झाड़ियां हटाकर बाग लगाया गया था। इस बाग में भी ड्रिप इरिगेशन का सिस्टम लगाया जा रहा है। पानी को बचाने के लिए पूरे बाग में ड्रिप इरिगेशन से सिंचाई होगी। इससे पौधों की जड़ों को ही पानी मिलेगा और पानी की बचत होगी।

विश्वविद्यालय में हैं 16 पिट रिचार्ज, जमीन में जाता है बारिश का पानी - गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में कितनी भी बारिश हो, पानी कहीं जमा नहीं होता और न ही खराब होता है। विश्वविद्यालय में 16 रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम/रिचार्ज पिट बने हुए हैं। वैज्ञानिक विधि द्वारा बने इन रिचार्ज पिट के माध्यम से बारिश का पूरा पानी साफ होकर जमीन में चला जाता है।

सीवरेज के ट्रीटमेंट किए हुए पानी से विवि में छाई हरियाली

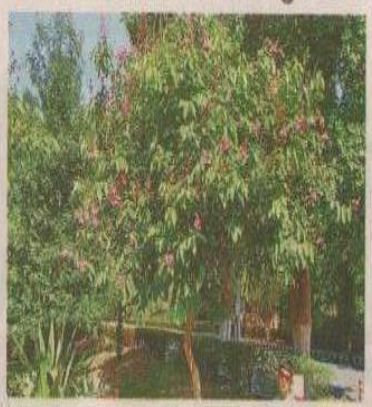

गुजवि में सीवरेज वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पानी से हरा भरा गुजवि प्रांगण।

गुजवि में मटका विधि द्वारा पौधों में दिया जा रहा पानी। • जागरण

विभिन्न तकनीकों से पानी बचाना और सीवरेज ट्रिटमेंट सिस्टम से पानी को साफ करके विभिन्न कार्यों के लिए उसका री-यूज करना आज के समय की जरूरत है। आज पानी नहीं बचेगा तो भविष्य में पानी का संकट खड़ा होना लाजिमी है। हमारा विश्वविद्यालय कई तरीकों से पानी की बचत कर रहा है, जिससे दूसरे संस्थानों और लोगों का सीख लेने की जरूरत है। मुझे लगता है कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग की तरह पानी बचाने की दूसरी तकनीकों को भी कंपलसरी कर देना चाहिए। पानी बचाने के लिए हम कई नई कोशिशों पर भी जोर दे रहे हैं। स्टार्ट अप में भी इस विषय को लिया जा रहा है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुजवि।

दैनिक जागरण - 18/6/19

साक्षात्कार में भाग लेने के तरीके सिखाए

जीजेयू में सफल साक्षात्कार की प्रक्रिया विषय पर कार्यशाला आयोजित

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के तत्वाधान में सफल साक्षात्कार की प्रक्रिया विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला में हाल ही में हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक वाणिज्य पद के लिए लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों ने भाग लिया।

कार्यशाला में हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के निदेशक प्रो. एनएस मलिक ने बताया कि साक्षात्कार में जाने से पहले उम्मीदवार अपने रुचिकर विषय के स्पेशलाइज्ड एरिया का अध्ययन करें। साक्षात्कार के दौरान खुद को अनुशासन व सभ्य पोषाक में प्रस्तुत करें और प्रश्न पूछे जाने पर विशेषज्ञ को उसी भाषा व विस्तार में जवाब देने की कोशिश करें, जितना उक्त मौके पर आवश्यक हो। इस दौरान अभ्यर्थी पूर्णतया ईमानदारी व पारदर्शी तरीके से जवाब देकर अपना अच्छा प्रभाव साक्षात्कार बोर्ड पर छोड़े। कार्यशाला को वरिष्ठ प्रो. हरभजन बंसल, प्रो. कर्मपाल नरवाल ने भी संबोधित किया। इस मौके पर प्रो. एससी कुंडू, प्रो. शबनम सक्सेना, प्रो. महेश गर्ग, प्रो. टीका राम, डॉ. खजान सिंह, लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण 50 से अधिक उम्मीदवारों समेत 100 से अधिक शोधार्थी उपस्थित थे।

लुवास में प्रशिक्षण शिविर के समापन पर प्रशिक्षकों को संबोधित करते मुख्य अतिथि।

गुजवि ने दाखिला फीस जमा कराने की अंतिम तिथि बढ़ाई

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (गुजवि) में चल रहे बीएससी (ऑनर्स) कंप्यूटर डाटा साइंस, बैचलर ऑफ फार्मेसी, बैचलर ऑफ फार्मेसी लेट द्वितीय वर्ष, बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी, एमएससी इकोनोमिक्स, एमएससी साइकॉलोजी, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी/ माइक्रोबायोलॉजी, एमएससी केमिस्ट्री, एमएससी इन्वायर्नमेंटल साइंस, एमएससी फूड टेक्नोलॉजी, एमएससी मास कम्यूनिकेशन, एमएससी मैथेमेटिक्स, एमएससी फिजिक्स, एमबीए, एमकॉम, एमसीए, एमसीए लेट द्वितीय वर्ष, मास्टर ऑफ फार्मेसी, मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी, पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसिलिंग और पीजी डिप्लोमा इन योगा साइंस एंड थेरेपी में दाखिला लेने के लिए डेबिट/क्रेडिट कार्ड व नेट बैंकिंग से फीस जमा करने की अंतिम तिथि 20 जून कर दी गई है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि एमटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, एमटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, एमटेक इन्वायर्नमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग, एमटेक फूड टेक्नोलॉजी, एमटेक जियो-इन्फोर्मेटिक्स, एमटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एमटेक नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी, एमटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व एमटेक प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी में दाखिला लेने के लिए डेबिट/क्रेडिट कार्ड व नेट बैंकिंग के माध्यम से फीस जमा करने की अंतिम तिथि 18 जून से बढ़ाकर 01 जुलाई कर दी गई है। ऑनलाइन फार्म भरने की अंतिम तिथि 21 जून से बढ़ाकर तीन जुलाई निर्धारित की है।

अमर उजाला - 19/6/19

जीजेयू के तीन छात्रों ने कैम्पस प्लेसमेंट में हासिल किया 2.16 लाख रूपए का पैकेज

हिसार, 19 जून (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सौजन्य से हरिद्वार स्थित आईटीसी कम्पनी के साथ ऑफ कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। ड्राइव में विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि ऑफ-कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग विभाग तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के 18 विद्यार्थियों ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. संदीप जिन्दल के मार्गदर्शन में भाग लिया। कम्पनी की एचआर मैनेजर आदिति मनरिया ने प्लेसमेंट प्रक्रिया का संचालन किया गया। कंपनी के अधिकारी द्वारा प्लेसमेंट प्रक्रिया में प्रि-प्लेसमेंट टॉक, एप्टीट्यूड टेस्ट, टेक्निकल व एचआर साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार के आधार पर कंपनी ने विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का चयन किया है। प्लेसमेंट निदेशक ने प्रिंटिंग विभाग तथा मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्षों का विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए धन्यवाद किया है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया चयनित विद्यार्थियों में प्रिंटिंग विभाग के अक्षय कुमार व सौरभ तथा मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की बशु गुप्ता शामिल हैं। चयनित विद्यार्थियों को 2.16 लाख रूपये वार्षिक पैकेज दिया जाएगा।

पाठ्य पक्ष - 19-06-2019

जीजेयू के फिजियोथेरेपी विभाग में आम लोगों के लिए ओपीडी फ्री

आज और कल होगा योग कैम्प

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के फिजियोथेरेपी विभाग की तरफ से 20 और 21 जून को दो दिवसीय योग कैम्प लगाया जाएगा। कैम्प का संचालन विभाग के शिक्षक डॉ. नवीन कौशिक तथा निहारिका सिंह राजोरिया द्वारा किया जाएगा। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि योग का नियमित अभ्यास मानसिक, शारीरिक व बौद्धिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस लोगों में योग के प्रति जागरूकता लाने तथा योग को दुनिया में फैलाने का एक माध्यम है। विवि ने योग साइंस तथा थेरेपी में पीजी डिप्लोमा 2018 में शुरू किया था। इस वर्ष से विश्वविद्यालय ने योग साइंस तथा थेरेपी में मास्टर डिग्री कोर्स शुरू किया है। ऐसा करने वाला यह विवि देश के चुनिंदा विश्वविद्यालयों में से एक है।

फिजियोथेरेपी विभाग अध्यक्ष प्रो. आर. बास्कर ने बताया कि विभाग में पीजी डिप्लोमा इन योग साइंस एंड थेरेपी की 30 सीटें तथा एमएम इन योगा साइंस एंड थेरेपी की 40 सीटें है। फिजियोथेरेपी विभाग आम नागरिक को निःशुल्क ओपीडी सेवा भी उपलब्ध करवा रहा है। फिजियोथेरेपी विभाग की इंचार्ज डॉ. शबनम जोशी ने बताया कि फिजियोथेरेपी विभाग में बीपीटी, एमपीटी तथा पीएचडी कोर्स चलाए जा रहे हैं। फिजियोथेरेपी व योगा लाईफ स्टाइल से जुड़ी बीमारियों को ठीक करने में भी लाभदायक है।

दैनिक भास्कर

20-06-2019

जीजेयू स्टूडेंट्स ने बनाई रोबोटिक कार, शराब पीकर गाड़ी चलाई तो बंद हो जाएगा इंजन

राजस्थान में कार हादसे की वजह जानने के बाद दुर्घटनाओं पर रोक के लिए बनाया मॉडल

सुभाष चंद्र | हिसार

अगर शराब पीकर गाड़ी चलाएंगे तो उसका इंजन अपने आप बंद हो जाएगा। इससे शराब पीकर वाहन चलाने के कारण होने वाले रोड एक्सिडेंट में कमी आएगी। जीजेयू स्टूडेंट्स ने ऐसी ही एक रोबोटिक कार बनाई है जिसमें अल्कोहल सेंसर लगाया है। इसकी एक और खास बात यह है इसे आवाज के जरिए कंट्रोल किया जा सकता है। दिव्यांग भी इस कार को ड्राइव कर सकते हैं।

जीजेयू के इलेक्ट्रॉनिक्स डिपार्टमेंट के फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स रेनूका पूनिया, सुष्मिता सिंह और योगेश कुमार ने इस रोबोटिक कार को सिर्फ 2 हजार रुपये की लागत से तैयार किया है। कार का मोटर ड्राइवर सेंसर दिल्ली से मंगवाया गया, जबकि बाकी सारा सामान लोकल परचेज किया। प्रोजेक्ट के गाइड व कॉर्डिनेटर विजयपाल सिंह व विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक केडिया ने भी प्रोजेक्ट में स्टूडेंट्स का सहयोग किया।

कार में लगा उपकरण ऐसे करेगा काम

एमआईटी एप इनवेंटर आवाज से दिए गए संदेश को टेक्स्ट में कन्वर्ट कर देती है। इस एप को ब्लूटूथ से कनेक्ट कर कार के साथ कनेक्ट किया गया है। जैसे गुगल में बोलकर टाइप किया जा सकता है, ठीक वैसे ही कार को आवाज से कमांड दे सकते हैं। जो हम बोलते हैं वो टेक्स्ट हमारे मोबाइल पर दिखता है। इसके बाद कार में लगी डीसी मोटर जो आरडिनो माइक्रोकंट्रोलर के साथ कनेक्टेड है, वो कार की मूवमेंट करवाती है। ड्राइवर की सीट की राइट साइड अल्कोहल सेंसर लगाया गया है जैसे ही ड्राइवर सीट पर आकर बैठेगा, अल्कोहल सेंसर शराब की गंध को सेंस कर लेगा। अल्कोहल सेंसर की सेंस करने की जो कैपेसिटी प्रोग्रामिंग के जरिए सेट की जा सकती है। शराब अगर ज्यादा पी है तो प्रोग्रामिंग के जरिए सेट की गई टाइमिंग के अनुसार गाड़ी बंद हो जाएगी।

यह मॉडल बनाने का विद्यार्थियों को ऐसे मिला आइडिया

जीजेयू स्टूडेंट्स ने बताया कि वो पिछले साल जयपुर एजुकेशनल टूर से लौटते समय राजगढ़ के पास एक भीषण एक्सीडेंट हुआ देखा था, जिसमें कार में सवार एक ही परिवार के पांच लोगों की डेथ हो गई थी और कार बिलकुल ही डैमेज हो चुकी थी। कारण पूछा तो पता लगा कि ड्राइवर ने शराब पी रखी थी। इस पर सोचा की काश कुछ ऐसा होता की शराब पीकर गाड़ी न चला सके तो ऐसी दुर्घटनाएं कम हो सकती हैं। इस कार में अल्कोहल सेंसर के जरिए कुछ सेकंड के बाद इंजन बंद हो जाएगा। यह टेक्नीक कार के साथ अन्य गाड़ियों में भी यूज किया जा सकता है।

ये मिलेंगे फायदे

- सड़क हादसे कम हो जाएंगे।
- दिव्यांग अपनी आवाज से गाड़ी चला सकते हैं।
- कार काफी कीमत में तैयार हो सकती हैं।

यह लगाया सामान

- **आरडिनो माइक्रोकंट्रोलर-** यह एक सर्किट बोर्ड है, जो कंपानेंट का बेस है और इन्हें कंट्रोल करता है। इसे प्रोग्रामिंग से सेट किया गया है।
- **एक ब्लूटूथ मॉड्यूल-** ब्लूटूथ के जरिए गाड़ी को कमांड दे सकते हैं, इसकी रेंज 10 मीटर तक है।
- **अल्कोहल सेंसर-** अल्कोहल सेंसर शराब को सेंस कर सकता है।
- **एलसीडी डिस्प्ले-** अल्कोहल की वेल्यू को डिस्प्ले करती है। इसे सेट किया जा सकता है।
- **मोटर ड्राइवर-** डीसी मोटर कंट्रोल करता है और वोल्टेज के लिए प्रयोग होता है।
- **एमआईटी एप इंवेटर-** यह सॉफ्टवेयर है, जिसके जरिए एप बनाते हैं।

दैनिक भास्कर - 24/6/17

अब रिसर्च के लिए अनुकूल तापमान के साथ डाटा पर नजर रखेगा लॉगर यूजिंग अरडिनो

चेतन वर्मा ▶▶ हिसार

हर रिसर्च में अब न तो तापमान पर नजर रखने के लिए 24 घंटे नजर रखना पड़ेगा और न ही हर जरूरी डाटा को मैनुअल तौर पर लिखना पड़ेगा। क्योंकि गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रोनिक एंड कम्युनिकेशन विभाग के तीन छात्रों ने प्रोफेसर संजीव दुल के मार्गदर्शन में डाटा लॉगर यूजिंग अरडिनो नाम से उपकरण बनाया है, जिसका इस्तेमाल हर रिसर्च सेंटर या फिर लैब में हर शोध पर नजर बनाए रखने के लिए किया जाता है, जोकि हर रिसर्च में जरूरी तापमान के साथ संबंधित हर डाटा पर नजर भी रखेगा, साथ ही हर आंकड़े को सेव भी रखेगा, जिससे किसी विषय पर शोध करते समय उपकरण के लिए जरूरी तापमान पर हर पल नजर भी नहीं बनाए रखनी पड़ेगी। इससे शोध में मदद मिलेगी।

गुजवि के तीन छात्रों में 1500 रुपये में तैयार किया उपकरण

आंकड़ों को रजिस्टर में नहीं लिखना पड़ेगा

अब हर आंकड़ों को रजिस्टर इत्यादि में लिखना भी नहीं पड़ेगा। प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर विजयपाल ने बताया कि इलैक्ट्रोनिक एंड कम्युनिकेशन विभाग के अंतिम वर्ष के छात्र ईशांत, कनव और श्वेता गहलोत ने प्रोफेसर संजीव दुल के मार्गदर्शन में केवल 1500 रुपये में यह उपकरण तैयार किया है, जबकि मार्किट में इस उपकरण की कीमत 20 हजार से अधिक है। डाटा लॉगर यूजिंग अरडिनो में मैमोरी कार्ड लगा है, जिससे हर डाटा को 15 से 20 दिनों तक सेव रखा जा सकता है।

उपकरण में इन चीजों का हुआ इस्तेमाल: आरडिनो बोर्ड, आरटीसी , मैमोरी कार्ड व टेम्परेचर सेंसर।

ऐसे काम करेगा डाटा लॉगर यूजिंग आरडिनो

जब भी किसी रिसर्च सेंटर या फिर लैब में कोई शोध किया जाता है तो प्रोजेक्ट के साथ डाटा लॉगर यूजिंग अरडिनो उपकरण को जोड़ दिया जाता है। प्रथम चरण में आरडिनो बोर्ड उपकरण के हर हिस्से के बीच कड़ी का काम करता है, साथ ही शोध के दौरान होने वाली सारी प्रक्रिया को सेव करने का कार्य भी आरडिनो बोर्ड करता है। उसके बाद आरटीसी अर्थात रियल टाइम क्लॉक हिस्सा हर शोध का समय, तारीख और माह पर नजर रखने का आरटीसी का होता है। तीसरे चरण में मैमोरी कार्ड जोकि हर शोध की हर प्रक्रिया को सेव रखता है। चौथा तथा अंतिम चरण टेम्परेचर सेंसर का होता है, जोकि हर शोध के लिए जरूरी तापमान पर नजर रखता है।

शोध करने में समय बचेगा: हर रिसर्च सेंटर व लैब में होने वाले शोध के तापमान से लेकर आंकड़ों को सेव रखने का कार्य डाटा लॉगर यूजिंग अरडिनो करता है। इससे शोध करने में समय बचेगा।
- विजयपाल, प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर, इलैक्ट्रोनिक एंड कम्युनिकेशन विभाग।

हरिभूमि - 24/6/17

प्रवेश परीक्षा देकर घर लौटने से पहले घोषित किया रिजल्ट

रविवार को बीएससी के विभिन्न कोर्सों के लिए गुजवि में हुई थी प्रवेश परीक्षा, पीसीएमबी में 68 अंकों के साथ अपेक्षा रही प्रथम

मिशन एडमिशन

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में बीएससी के विभिन्न कोर्सों के लिए रविवार को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। सुबह और शाम के दो सत्रों में हुई परीक्षा में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए 2012 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। खास बात यह रही कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शाम तक की परिणाम भी घोषित कर दिया। शाम 7 बजे विश्वविद्यालय ने सभी विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम वेबसाइट पर डाल दिया।

बीएससी-एमएससी ड्यूल डिग्री कोर्स में कैमिस्ट्री, फिजिक्स, मैथ और बायोटेक के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा हुई, जिसमें 1758 विद्यार्थी उपस्थित हुए।

जबकि बीएससी ऑनर्स इकोनोमिक्स में 83 और बीएससी ऑनर्स साइकोलॉजी के लिए 171 विद्यार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी थी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय रिजल्ट प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए प्रयास कर रहा है। रेगुलर परीक्षाओं में भी रिजल्ट तय समय से पहले दिया जाए, इसके लिए योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि काउंसलिंग और अन्य जानकारी के लिए विद्यार्थी वेबसाइट चेक करते रहें।

जीजेयू में विभिन्न कोर्सों के लिए परीक्षा देने आए विद्यार्थी बाहर आते हुए। • जागरण

पीसीएमबी में 68 अंकों के साथ अपेक्षा प्रथम

परीक्षा नियंत्रक डा. यशपाल सिंगला ने बताया कि बीएससी-एमएससी ड्यूल डिग्री कोर्स में कैमिस्ट्री, फिजिक्स, मैथ और बायोटेक (पीसीएमबी) के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 1966 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें से 1758 विद्यार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी और 208 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा में छात्रा अपेक्षा ने सर्वाधिक 68 अंक हासिल किए हैं। वहीं 64 अंकों के साथ शीतल दूसरे और 7 से अधिक विद्यार्थी 60 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे हैं।

इतनी है सीटें : बीएससी-एमएससी ड्यूल डिग्री कोर्स में कैमिस्ट्री, फिजिक्स, मैथ और बायोटेक (पीसीएमबी) कोर्सों में 40-40 सीटें हैं। बीएससी (आनर्स) इकोनोमिक्स में 45 और बीएससी (ऑनर्स) साइकोलॉजी में 40 सीटें हैं। इसके अलावा इन सभी कोर्सों में 2 सुपरन्यूमेरिक सीट सिंगल गर्ल चाइल्ड, 1 सुपरन्यूमेरिक सीट नॉर्थ इस्टर्न स्टूडेंट और 1 सुपरन्यूमेरिक सीट विश्वविद्यालय के परमानेंट एलाई के बच्चों के लिए रखी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार काउंसलिंग सहित अन्य जानकारी के लिए विद्यार्थी लगातार विश्वविद्यालय की वेबसाइट से जानकारी लेते रहें।

साइकोलॉजी में नंदिनी और अजीत ने मारी बाजी

बीएससी साइकोलॉजी (ऑनर्स) में दाखिले के लिए कुल 204 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें से 171 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और अनुपस्थित रहे। प्रवेश परीक्षा के परिणाम में अजीत भारद्वाज और नंदिनी भारद्वाज ने 67 अंक हासिल करते हुए संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया है। इसके अलावा देवांश और सुमिता ने 65-65 अंक हासिल कर दूसरे स्थान पर रहे।

इकोनोमिक्स में 50 अंकों के साथ डिंकी प्रथम

बीएससी इकोनोमिक्स (ऑनर्स) में दाखिले के आवेदन करने वाले 100 विद्यार्थियों में से 83 विद्यार्थी परीक्षा देने पहुंचे। जिनमें से 50 अंक हासिल कर डिंकी ने प्रथम स्थान हासिल किया। 49 अंकों के साथ राहुल दूसरे और 45 अंकों के साथ अंकित तीसरे स्थान पर रहे।

गुजवि में एमए इंग्लिश सहित नए कोर्सों में 1 जुलाई तक होंगे आवेदन

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में इसी वर्ष नए शुरू किए गए कोर्स एमए इंग्लिश, एमए हिन्दी व एमएससी योगा साइंस एंड थेरेपी में दाखिले के लिए विद्यार्थी 1 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। एमटेक में आवेदन के लिए भी अंतिम तिथि 1 जुलाई है। वहीं, विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस में चल रहे एमकॉम और एमबीए कोर्सों में 25 जून तक आवेदन किया जा सकेगा। इसके अलावा बीटेक और बीटेक लेट इंजीनियरिंग कोर्सिज में दाखिला हरियाणा स्टेट टेक्नीकल एजुकेशन सोसायटी (एचएसटीईएस), पंचकूला द्वारा ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से किया जाएगा।

23 कालेजों में ग्रेजुएशन के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 28 जून

जिले के सभी कालेजों में भी दाखिले के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। कालेजों में दाखिले के लिए 28 जून तक आवेदन होंगे। गवर्नमेंट पीजी कालेज में विद्यार्थियों का रुझान सबसे अधिक है और यहां साढ़े 10 हजार से भी अधिक आवेदन आ चुके हैं। वहीं 22 मई से पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्सों में भी दाखिले के आवेदन प्रक्रिया शुरु हो चुकी है।

बीएससी कोर्सों में यह रहेगा काउंसलिंग का शेड्यूल

- बीएससी कैमिस्ट्री, बीएससी फिजिक्स, बीएससी मैथ्स, बीएससी बायोटेक्नोलॉजी के ड्यूल डिग्री कोर्सों में दाखिले के लिए 2 जुलाई को पहली काउंसलिंग होगी। 9 जुलाई को दूसरी और 22 जुलाई को तीसरी काउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा।
- बीएससी इकोनोमिक्स की पहली काउंसलिंग 3 जुलाई, दूसरी 9 जुलाई और तीसरी 23 जुलाई को होगी।
- बीएससी साइकोलॉजी की पहली काउंसलिंग 2 जुलाई और दूसरी 9 व तीसरी 23 जुलाई को होगी।
- इसी वर्ष शुरु बीएससी कंप्यूटर इन डेटा साइंस कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा 27 जून को सुबह 11 से साढ़े 12 बजे तक होगी। इसके बाद पहली काउंसलिंग 3 जुलाई, दूसरी 10 और तीसरी काउंसलिंग 24 जुलाई को होगी।

गुजवि के कोर्सों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा का यह रहेगा शेड्यूल

03 जुलाई	एमबीए, एमबीए इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए मार्केटिंग, एमबीए फाइनेंस और एमकॉम।
04 जुलाई	एमएससी इकोनोमिक्स।
04 जुलाई	एमएससी साइकोलॉजी, मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी, बैचलर ऑफ फार्मेसी, एमएससी एनवायरमेंट साइंस, एमएससी फूड टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी।
05 जुलाई	बैचलर ऑफ फार्मेसी द्वितीय वर्ष लेट और एमएससी बायोटेक्नोलॉजी/माइक्रोबायोलॉजी।
08 जुलाई	एमएससी कैमिस्ट्री, एमएससी मास कम्युनिकेशन और पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसलिंग।
08 जुलाई	मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन।
09 जुलाई	एमएससी मैथेमेटिक्स, एमएससी फिजिक्स और मास्टर ऑफ फार्मेसी।
17 जुलाई	मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन लेट द्वितीय वर्ष में दाखिले के लिए।

दैनिक जागरण - 24/6/19

प्रोजेक्ट • जीजेयू के एक स्टूडेंट्स ने बनाया उपकरण, अपने घर में एलपीजी लीक होने से लगी आग के बाद हिमांशु ने खोजा समाधान

लीक होते ही गैस को घर से बाहर निकाल देगा डिटेक्शन इंस्ट्रूमेंट

सुभाष चंद्र | हिसार

गैस सिलेंडर लीक होने से घर में आग लगी तो जीजेयू के एक स्टूडेंट्स ने एक ऐसा यंत्र तैयार कर दिया जो गैस सिलेंडर लीक होने पर एलपीजी को बाहर कर देगा। इससे आग लगने का खतरा कम हो जाएगा। जीजेयू के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स हिमांशु शर्मा ने विकास कुमार व आशा के साथ मिलकर हानिकारक गैस डिटेक्शन यंत्र रूम नाम से यंत्र तैयार किया है। इस यंत्र से घर में एलपीजी, कार्बनडाईऑक्साइड सहित अन्य हानिकारक गैसों को बाहर किया जा सकता है। जिससे हानिकारक गैसों के कारण हमारे शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को कम किया जा सकता है। इस प्रोजेक्ट के गाइड व कॉर्डिनेटर विभाग के विजयपाल सिंह रहे, वहीं अध्यक्ष प्रो. दीपक केडिया ने भी प्रोजेक्ट को पूरा करने में स्टूडेंट्स का सहयोग किया। सेक्टर 14 निवासी हिमांशु शर्मा के घर गैस सिलेंडर लीक होने से पिछले वर्ष आग लग गई थी, जिसमें घर का कीमती सामान जल गया था। इस घटना के बाद हिमांशु को आइडिया आया की कुछ ऐसा होना चाहिए, जिससे लीक हुई गैस अपने आप बाहर निकाली जा सके। खास बात यह है कि सिर्फ 2 हजार रुपये की कीमत में इसे तैयार किया गया है।

गैस डिटेक्शन यंत्र बनाने वाले जीजेयू के स्टूडेंट्स।

प्रोजेक्ट में इन उपकरणों का इस्तेमाल किया गया

- आरडिनो माइक्रोकंट्रोलर - इसमें प्रोग्रामिंग करके आउटपुट व इनपुट प्रोसेस को कंट्रोल किया जाता है।
- एमक्यू 135 गैस सेंसर - हानिकारक गैसों को डिटेक्ट करता है। यह पार्टस पर मिलिवन में गैसों को दिखाता है। गैस के पार्टस भी दिखा देता है।
- रियल टाइम क्लॉक - टाइमसेटेलाइट के साथ जोड़ा गया है, यह समय-समय पर गैसों की रीडिंग देता है और टाइम भी दिखाता है।
- इंडिकेटर व एग्जॉस्ट फैन - ग्रीन ब्लू व रेड इंडिकेटर पीपीएम अलग-अलग लेवल पर सिग्नल देते है। एग्जॉस्ट फैन हानिकारक गैसों को बाहर निकाल सकता है।
- विंडटरबाइन - एग्जॉस्ट फैन द्वारा बाहर फेंकी जाने वाली हवा को यूज करके इलेक्ट्रिसिटी जनरेट की जा सकती है।

क्या होंगे लाभ

- एयरकंडीशन रूम में कार्बनडाईऑक्साइड व अन्य हानिकारक गैसों अपने आप बाहर कर देगा।
- कार व अन्य गाडियों में भी इसका यूज किया जा सकता है।
- घरों में गैस सिलेंडर लीक होने पर गैस को डिटेक्ट करके बाहर निकाल सकता है।

इस तरह करता है काम

प्रोजेक्ट यंत्र में माइक्रोकंट्रोलर गैस सेंसर घरों में एलपीजी, कार्बनडाईऑक्साइड, मोनोऑक्साइड, हानिकारक गैस के मिश्रण बेंजिन को डिटेक्ट कर लेता है। डिटेक्ट करने के बाद यह माइक्रोकंट्रोलर को सिग्नल देता है। माइक्रोकंट्रोलर एग्जॉस्ट फैन व इंडिकेटर को सिग्नल भेजता है। यह पीपीएम में इन गैसों की रीडिंग यंत्र के मॉनिटर पर दिखाता है। इस यंत्र को रूम में लगे एग्जॉस्ट फैन से कनेक्ट किया गया है। इस यंत्र के मॉनिटर पर यदि हानिकारक गैसों का लेवल 500 पीपीएम से कम दिखता है तो यंत्र में लगा ग्रीन इंडिकेटर ऑन हो जाएगा

दैनिक भास्कर - 26/6/19